वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 201 | बुधवार 16 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सचिन पायलट की नसीहत, कहा...

भर्तियों की घोषणाएं पूरी करे सरकार

सचिन बोले- जनता से किए वादे धरातल पर उतारे जाएं, ओबीसी मुद्दे पर बात सुनें

जयपुर. कासं। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सरकार को युवाओं की नौकरियों से जुड़ी घोषणाओं को हर हाल में पूरा करने की नसीहत दी है। संविदाकर्मियों को नियमित करने के पैटर्न पर विरोध और विद्या संबल योजना को स्थगित करने के सवाल पर पायलट ने अपनी राय रखी है। पायलट ने सरकार को ओबीसी मुद्दे का समाधान निकालने को कहा है। हरीश चौधरी ने सोमवार को ही इस मुद्दे पर सीएम गहलोत पर धोखा देने का आरोप लगाया था। सचिन पायलट ने तीनों मुद्दों पर सरकार के मौजूदा स्टैंड से अलग होकर मांगें पूरी करने को कहा है। मंगलवार को टोंक में पायलट पत्रकारों से बात कर रहे थे। विद्या संबल योजना को स्थगित करने पर पायलट ने कहा- सरकार ने जिन भर्तियों की घोषणा की है, उसको धरातल पर उतारना चाहिए। भर्तियां होनी चाहिए, क्योंकि घोषणाओं के बाद लोगों की उम्मीदें बढ़ जाती हैं। युवाओं को लगता है कि इससे उनका भविष्य बेहतर होगा। सरकार की घोषणाएं धरातल पर उतारी जाएं, यह बहुत जरूरी है। संविदाकर्मियों को नियमित करने के पैटर्न का विरोध होने के सवाल पर पायलट ने कहा- सरकार अगर घोषणा करती है तो उसका पूरी तरह पालन भी होना चाहिए। मैं हमेशा कहता हूं कि नौजवानों को अवसर मिले। हमारे शिक्षक भाई-बहन हैं। उनका भविष्य सुधारने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए।

ओबीसी मुद्दे पर नेताओं की बात सुनकर समाधान निकालें

सचिन पायलट ने ओबीसी आरक्षण से जुड़े मुद्दे पर कहा- मुझे लगता है जो भी संविधान के प्रावधान हैं, उसके तहत सुधार करना चाहिए। बिना कानूनी पेंच में फंसे इसका रास्ता निकालना चाहिए। सरकार को जनप्रतिनिधियों की मांग को सुनना चाहिए। फिर न्यायपूर्वक कार्यवाही करनी चाहिए। ताकि सब पक्षों को साथ रखकर वंचित लोगों तक मदद पहुंचे।

पायलट ने कहा- दिसंबर के पहले सप्ताह में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में आएगी। यात्रा को लेकर प्रदेश के हर तबके के लोगों में उत्साह है। अब तक लाखों लोग यात्रा से जुड़ चुके हैं। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में महंगाई, बेरोजगारी सहित सभी मुद्दे उठाए हैं। संवैधानिक संस्थाओं को बर्बाद किया जा रहा है। महंगाई, बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ रही है। बीजेपी के साथी राहुल गांधी की यात्रा से परेशान हैं। भारत जोड़ो यात्रा कामयाब होगी। अब तक किसी नेता ने चार हजार किलोमीटर तक पैदल इस तरह की यात्रा नहीं की है। पायलट ने कहा- राजस्थान में यात्रा को कामयाब करेंगे। यात्रा जनता के लिए है। बीजेपी इससे परेशान है। दक्षिणी भारत से यात्रा शुरू की तो वहां प्रधानमंत्री चले गए। उन्हें घबराहट हो रही है कि उनकी दक्षिण भारत में थोड़ी बहुत जमीन थी, वह निपट गई है। सचिन पायलट ने सरकार को तीन मुद्दों पर नसीहत देकर सियासी बयान दिया है। पायलट का बयान सीधे तौर पर सरकार पर निशाना माना जा रहा है।

बेरोजगारों की 4 मांगों पर बनी सैद्धांतिक सहमति

20 नवंबर को करेंगे शक्ति प्रदर्शन, उपेन बोले- दूसरे दौर की वार्ता तक करेंगे इंतजार

जयपुर. कासं। 20 मांगों को लेकर पिछले डेढ़ महीने से आंदोलन कर रहे राजस्थान के बेरोजगारों का लंबा संघर्ष खत्म होता नजर आ रहा है। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में बेरोजगार और सरकार के आला अधिकारियों के बीच एक घंटा 10 मिनट तक बैठक चली। इसमें बेरोजगारों की चार मांगों पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है। वहीं, 16 लंबित मांगों को लेकर कुलदीप राका विभाग वार अधिकारियों की बैठक लेंगे। इसके बाद बेरोजगारों को दूसरे दौर की बातचीत के लिए बुलाया जाएगा। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि कुलदीप राका और आरती डोकरा के साथ हमारी सकारात्मक बातचीत हुई है। जल्द ही कुलदीप राका 20 सूत्री मांगों को लेकर सभी विभागों के आला अधिकारियों से चर्चा करेंगे। इसके बाद दूसरे दौर की बातचीत के लिए हमें बुलाया जाएगा। हमें उम्मीद है कि 20 सूत्री मांगों पर जल्द ही सरकार सकारात्मक निर्णय लेगी। इससे प्रदेश के लाखों बेरोजगारों का लंबा संघर्ष खत्म होगा। इस दौरान हम 20 नवंबर को सरदारशहर चूरू में आक्रोश रैली निकालेंगे। लेकिन अगर इसके बाद भी सरकार ने हमारी मांगों को पूरा नहीं किया। तो गुजरात में स्थगित आंदोलन को फिर से शुरू करेंगे।

नजर आएगा 600 साल पुरानी चंदेरी का इतिहास

70 आर्टिजन अपनी आर्ट को करेंगे प्रदर्शित, गोल्डन जरी से बनी 3.5 लाख की साड़ी बिखेरेगी चमक

जयपुर. कासं। जवाहर कला केंद्र के शिल्प ग्राम में 'मध्यप्रदेश मृगनयनी उत्सव' की शुरूआत 17 नवंबर से होगी। मध्यप्रदेश शासन ग्रामोद्योग विभाग की और से 30 नवंबर तक इसका आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रतिदिन शाम को लोकनृत्यों के कार्यक्रम

आयोजित होंगे। प्रदर्शनी प्रभारी रीजनल मैनेजर एम.एल. शर्मा ने मंगलवार को जेकेके में मीडिया से बात करते हुए बताया कि जयपुरराइट्स का इस प्रदर्शनी को लेकर हमेशा से दिलचस्पी दिखाते हैं। इसलिए इस बार नए तरह के उत्पाद लोगों को जरूर आकर्षित करेंगे। प्रदर्शनी में कई नई डिजाइन की साड़ियां और अन्य आइटम शामिल किए गए हैं। प्रदर्शनी प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें लोक कलाकार राजस्थान के साथ ही मध्यप्रदेश के उज्जैन-मालवा की लोक संस्कृति को लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां देकर साकार करेंगे। यहां गोल्डन जरी से बनी 3.5 लाख की साड़ी भी लोगों के बीच डिस्प्ले की जाएगी शर्मा ने बताया की चंदेरी साड़ी का इतिहास 600 साल पुराना है। इनका उपयोग पहले केवल राजघरानों और आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों में होता था। बाद में मध्य प्रदेश सरकार ने चन्देरी साड़ियों को आमजन तक पहुंचाने की योजना बनाई। तब चन्देरी उत्पादों को सरकारी प्रोत्साहन मिला और इस साड़ी की कुछ डिजाइन आमजन तक पहुंच वाली बनने लगी। चंदेरी साड़ी को जयपुर राजपरिवार की गायत्री देवी भी काफी पसंद किया करती थी, उनकी पहनी हुई डिजाइन की साडिया भी यहां प्रदर्शित की जायेगी।

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,
आगरा रोड़, दौसा (राज.)
वात्सल्य रत्नाकर
आचार्य श्री 108 विमलसागर
स्नेहिल आमंत्रण
आत्म संयम का आधार है पिच्छी
जीवन का अनमोल सूत्र है पिच्छी
पिच्छीका परिवर्तन जीवन का वह परिवर्तन है
जो कि शाश्वत् आत्मा का निर्मलीकरण है......
भव्य
पिच्छिका परिवर्तन
20 नवम्बर, 2022
दोपहर 1.00 बजे
पावन सान्निध्य..
पूज्य उपाध्याय श्री 108
ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज
महत्वपूर्ण क्षणों के साक्षी बन कर पुण्यार्जन करें...
कार्यक्रम.....
दीप प्रज्जवलन, चरण पखारन्
शास्त्र भेंट, अतिथि सम्मान, उद्बोधन
जैन नगरी दौसा (राज.)
स्थान : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,
आदिनाथ नगर, आगरा रोड, दौसा (राज.)
मंच संचालन : पं. सुरेन्द्र कुमार जैन, सलूम्बर(राज.)
सम्पर्क सूत्र : 98284-16081 / 85628-40715
विशेष : श्रद्धालुजनों के लिए आवास एवं वात्सल्य भोजन की व्यवस्था है.
आप सादर आमंत्रित है।
: आयोजक एवं निवेदक :
सकल दिगम्बर जैन समाज दौसा (राज.) 303 303

श्री पार्श्वनाथ महिला मण्डल, थड़ी मार्केट मानसरोवर के चुनाव सम्पन्न

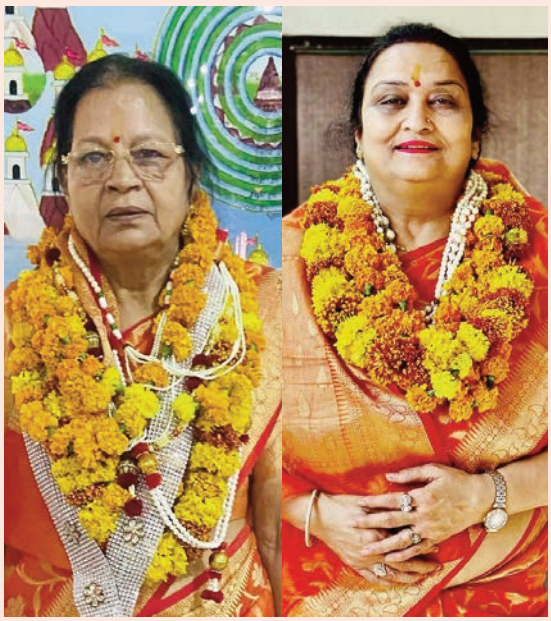

अध्यक्ष-भँवरी देवी जैन, मंत्री-नीता जैन बनी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ महिला मण्डल , थड़ी मार्केट, मानसरोवर के चुनाव , चुनाव अधिकारी पवन जैन नगीनेवालों के द्वारा निर्विरोध सम्पन्न हुए। अध्यक्ष - भँवरी देवी जैन, मंत्री - नीता जैन, उपाध्यक्ष- मीना सेठी उपमंत्री- निर्मला जैन ,कोषाध्यक्ष -नीलम जैन ,सांस्कृतिक मंत्री- नीलु जैन ,उर्मिला जैन , धार्मिक मंत्री-ममता बज,सविता जैन संगठन मंत्री- सुनीता जैन,संगीता जैन। सहलाकर मंत्री- कांता जैन,तारा देवी। प्रचार मंत्री - संगीता जैन,रीना जैन। कार्यकारिणी सदस्य- मंजु बोहरा, प्रज्ञा जैन,बरखा जैन , ममता जैन, मधु जैन बनी है। सभी ने मंदिर समिति, नवयुवक मंडल, महिला मंडल की सदस्यों के सामने शपथ ली।

श्री पवन- श्रीमती रीटा जैन पाटनी

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(16 नवम्बर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका,
परामर्शक: दिनेश - संगीता गंगवाल,
वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या,
सचिव: अनिल - प्रेमा रांवका,
कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन
एवं समस्त सदस्य

दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

वेद ज्ञान

मन पर नियंत्रण

संसार रूपी वृक्ष का मूल मन है। 'गीता' में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि इंद्रियों में मन मैं ही हूं। एक उपनिषद में भी कहा गया है कि संसार के समस्त प्राणी मन से ही उत्पन्न होते हैं। मन से ही जीवन जीते हैं और अंत में मन में ही विलीन हो जाते हैं। मन में ऊर्जा का असीम भंडार छिपा है, लेकिन इस ऊर्जा भंडार का आप सदुपयोग तभी कर सकते हैं जब आपका मन सकारात्मक विचारों से लबरेज हो। आप के मन में सभी के प्रति प्रेम और मैत्री भाव हो, करुणा और परोपकार का भाव हो, ईमानदारी का जज्बा हो। ईर्ष्या, क्रोध, हिंसा, नफरत आदि नकारात्मक विचारों से आप दूर रहें। इसी स्थिति में आप मन में निहित असीम ऊर्जा का उपयोग कर सकते हैं। मन विलक्षण शक्तिपुंज है। संपूर्ण शरीर और इंद्रियों पर इसका आधिपत्य है। शास्त्रकारों ने मन को मनुष्य के बंधन और मोक्ष का कारण बताया है। बलवान मन अत्यधिक चंचल है और कठिनाई से वश में होता है। यह स्वेच्छाचारी है, जबकि मनुष्य मर्यादाओं, वर्जनाओं और दायित्व-बोध जैसे बंधनों से बंधा हुआ है। प्रायः हम लौकिक सुख पाने को लालायित रहते हैं। मन की भागदौड़ का यही कारण है। अपनी कल्पना शक्ति के बल पर मन रंग-बिरंगी योजनाएं बनाकर और उन्हें पूरी करने का ताना-बाना बुनकर सदा उड़ान भरा करता है और अक्सर अनेक मृग-तृष्णाओं में मनुष्य को भटकाता हुआ जीवन को कष्टप्रद बना देता है। इस प्रकार निरंकुश मन विषतुल्य है, जबकि वश में किया हुआ मन अमृततुल्य। मन में नश्वर संसार के प्रति जो प्रियता और आसक्ति है, वही अनर्थ का कारण है। ऋग्वेद कहता है, हे मनुष्य! यदि तू मन को स्थिर करने में समर्थ हो जाए तो तू स्वयं ही समस्त बाधाओं और संकटों पर विजय पा सकता है। प्रयासपूर्वक मन को पकड़ कर बैठाने पर वह मेढक की तरह उछल कर भागता है। मन वश में होता है सतत अभ्यास और वैराग्य के भाव से। अभ्यास से आशय चित्तवृत्तियों के निरोध से है और 'वैराग्य' का आशय नाशवान जगत के प्रलोभनों से दूर रहने से है। जीवन का उद्देश्य संसार के नश्वर भोग नहीं, अपितु अविनाशी प्रभु की प्राप्ति है। आस्था और विश्वास के अभाव में मन का भक्तिपथ पर टिकना कठिन है। इसलिए हम प्रभु से कोई संबंध बनाकर मिलन की व्याकुलता में इतना क्रंदन करें कि हृदय की संपूर्ण मलिनता आंसू बनकर नेत्रों के मार्ग से बाहर निकल जाए।

संपादकीय

उलटे पांव लौटने को मजबूर हुई ताकत

पिछले हफ्ते रूस जिस तरह से यूक्रेन के खेरसान इलाके को खाली करके उलटे पांव लौटने को मजबूर हुआ है, उससे लग रहा है कि कहीं न कहीं जंग के मैदान में वह कमजोर पड़ता जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नौ नवंबर को खेरसान से अपने सैनिकों का हटाने का आदेश दिया था। यह कोई मामूली घटना इसलिए नहीं है क्योंकि जंग के नौ महीने बाद पहली बार ऐसा हुआ जब रूस ने इस तरह से अपने कदम खींचे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के इस दावे कि सैनिकों ने खेरसान क्षेत्र पर फिर से कब्जा कर लिया है और अपना झंडा फहरा दिया है, इस बात का संकेत माना जाना चाहिए है कि आने वाले दिनों में युद्ध के मैदान में यूक्रेन का पलड़ा भारी हो सकता है। खेरसान से रूसी सैनिकों की वापसी के बाद रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के दूसरे इलाकों

पर भी इसका असर पड़ना तय है। इस लिहाज से देखा जाए तो यह रूस की एक तरह से अघोषित हार है। इसमें कोई संदेह नहीं कि उसकी सैन्य ताकत यूक्रेन के मुकाबले कई गुनी है, पर हकीकत यह है कि उसकी मुश्किलें भी बढ़ती जा रही हैं। भले रूस मिसाइलों से हमले कर यूक्रेन को तबाह कर रहा हो, लेकिन जमीनी लड़ाई में उसके सैनिक यूक्रेनी सेना के सामने टिक नहीं पा रहे। वरना कोई कारण नहीं कि रूसी सैनिक खेरसान खाली करते। गौरतलब है कि डेढ़ महीने पहले ही रूस ने यूक्रेन के चार इलाकों लुहांस्क, दोनेत्स्क, खेरसान और जेपोरीजिया पर न केवल कब्जा कर लिया था, बल्कि इन इलाकों को रूस में मिलाने का एलान कर दिया था। ऐसा कर रूस ने एक तरह से यूक्रेन पर जीत का संदेश देने की कोशिश की थी। इन इलाकों पर कब्जों के लिए रूस ने बाकायदा जनमत संग्रह करवाने का दावा किया था। लेकिन कौन नहीं जानता कि यह सब दिखावा था। जिन इलाकों में उसके सैनिकों ने बंदूकों की नोंक पर लोगों को घरों में कैद कर रखा था, वहां कैसे माना जा सकता है कि निन्यानवे फीसद आबादी रूस में विलय पर मुहर लगाई होगी? हालांकि रूस का कहना है कि वह अपनी समस्याओं के कारण पीछे हटा है। उसके लिए सबसे बड़ा संकट इस बात का खड़ा हो गया है कि सर्दियों में सैनिकों को रसद कैसे पहुंचाएगा। लेकिन उसकी इस बात में दम इसलिए नहीं नजर आता क्योंकि रूस की सेना तो हमेशा से प्रतिकूल मौसम में लड़ने की अभ्यस्त रही है। उसके पास दुनिया के अत्याधुनिक हथियार हैं। फिर क्यों रूस खेरसान से भागा? युद्ध के शुरूआती महीनों में रूस को लग रहा था कि जिस तरह वह कीव सहित यूक्रेन के बड़े शहरों को मिसाइलों और बमों से तबाह कर रहा है, उससे जल्द ही वह कीव पर कब्जा कर लेगा। पर यूक्रेन को जिस तरह से पश्चिमी देशों, खासतौर से अमेरिका से हर तरह की सैन्य मदद मिली, उससे यूक्रेन की सेना जंग के मैदान में डटी है और रूसी सैनिकों को खदेड़ रही है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

धरती की चिंता

मानव जगत पर दशकों से जलवायु परिवर्तन की तलवार झूल रही है। साल दर साल यह सर के पास आती जा रही है। वैज्ञानिकों ने बहुत पहले समझ लिया था कि जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी तेजी से गर्म हो चली है। यह हिसाब भी लग चुका है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो इस सदी के अंत तक पृथ्वी दो दशमलव सात फीसद गर्म हो जाएगी और यह स्तर पृथ्वी वासियों के लिए भारी तबाही का सबब होगा। इसीलिए पूरी दुनिया हर साल इससे निपटने के लिए एक विचार विमर्श का महाआयोजन करती है जिसे कांफ्रेंस आफ पार्टीज (सीओपी) कहते हैं। इस बार भागीदार देशों की सत्ताईस वीं बैठक मिस्र के शर्म अल-शेख में चल रही है। आठ दिन गुजर चुके हैं और इसमें अब तक कमोबेश वही सब कुछ दोहराया गया है जो पिछले एक दशक से कहा जा रहा है। यहां तक कि इस दौरान एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सन 2019 में पूरी दुनिया में कार्बन उत्सर्जन का जो स्तर था, वही कमोबेश 2022 में अब तक हो चुका है। ऐसे में अगर कार्बन उत्सर्जन का आंकड़ा जस का तस है, तो हमें चौकन्ना हो जाना चाहिए। समस्या को काबू करने के लिए दुनियाभर की सरकारों ने जो लक्ष्य बना कर उपाय लागू करने के जो दावे किए हैं, लगता है वे खोखले साबित हो रहे हैं। पहली नजर में ही यह दिख जाता है कि इस मसले पर एकजुट दुनिया कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए ज्यादा कुछ कर नहीं पा रही है। इस मामले में अमीर या विकसित और गरीब या विकासशील देशों के बीच एक टकराव जारी है। तय हुआ था कि पिछले कई दशकों में पर्यावरण खराब होने की चिंता किए बगैर जिन देशों ने अपना ताबड़तोड़ विकास कर लिया, वे गरीब देशों को जलवायु परिवर्तन को थामने के लिए आर्थिक मदद देंगे। इसके लिए अमीर देश सौ अरब डालर का एक कोष बनाएंगे। लेकिन हैरत की बात है सौ अरब डालर का लक्ष्य किसी भी साल पूरा नहीं किया जा सका। बहुत संभव है कि इस बार यानी सीओपी-27 के आखिरी दिनों में इस कोष का आकार बढ़ाने के लिए अमीर देशों को राजी होना पड़े। और सिर्फ राजी ही नहीं होना पड़े, बल्कि कोई ऐसी पुख्ता व्यवस्था भी बन सके जिससे अगली सीओपी में यह शिकायत न करना पड़े कि अमीर देशों ने जो वायदा किया था, वह पूरा नहीं किया जा सका। बहरहाल, कार्बन उत्सर्जन के मौजूदा स्तर से इतना तो साफ है कि एकजुट विश्व को अब कड़े फैसले करने पड़ेंगे। वैसे अब तक का अनुभव यह है कि किसी भी कड़े उपाय का बोझ आखिर में गरीब पर ही आता है। सीओपी में गरीब और विकासशील देशों की सरकारों की भी खुल कर बोलने की एक सीमा होती है। जाहिर है ऐसे में विश्व के जागरूक समाज यानी गैरसरकारी संगठन और गैर सरकारी विशेषज्ञों के भी सक्रिय हो जाने की दरकार है। पर्यावरण विज्ञान के विद्वानों को वे तरीके ढूंढ़ कर देने पड़ेंगे कि पर्यावरण का नाश किए बगैर विकास कैसे हो सकता है और ऐसे न्यूनतम विकास को हासिल करने का वह न्यूनतम खर्चा क्या बैठेगा जो अमीर या विकसित देशों से मांगा जा सके। और यह भी कि विकसित देश आइंदा से कार्बन उत्सर्जन इस हद तक कम करें जिससे उसकी भरपाई हो सके जो नुकसान वे पहले कर चुके हैं।

तीन दिवसीय सार्वजनिक दिव्य प्रवचन शृंखला का भव्य आयोजन

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन समाज के द्वारा आयोजित, तीन दिवसीय सार्वजनिक दिव्य प्रवचन श्रृंखला में शहर के सैकड़ों श्रद्धालु भक्त शामिल हुए। मंच संचालन चातुर्मास संयोजक सुरेंद्र काला ने किया, मंगलाचरण नवीन पंड्या ने किया। पानी टंकी रोड स्थित जैन मंदिर में जैन संत विशल्य सागर जी गुरुदेव ने अपनी अमृतवाणी में कहा कि अगर आप वाकई में प्रसन्नता और शांति पाना चाहते हैं तो मन को बदलें, मन की दिशा और परिणामों को बदलें। जीवन में जो मिले उसे प्रेम से स्वीकार करें।एक व्यक्ति मिठाई की दुकान पर गया और पूछा-' तुम्हारे यहाँ सबसे अच्छी मिठाई कौन सी है ? हलवाई ने अपने यहां की हर मिठाई को एक दूसरे से अच्छा बताया।उस व्यक्ति ने कहा-'मैं तो यह जानना चाहता हूं कि कौन सी मिठाई सबसे अच्छी है ?' 'महाशय ,मेरी दुकान की हर मिठाई सबसे अच्छी है ' -हलवाई ने कहा। जिंदगी भी एक दुकान की तरह है जिसकी हर चीज अच्छी है। जो भी जैसा मिल रहा है उससे कैसा गिला, कैसी शिकायत। तुम दुःखी हो ,क्योंकि तुम जो चाहते हो ,पसंद करते हो वह तुम्हें नहीं मिल पा रहा है। प्रसन्न रहने की कला तो इसमें है कि तुम्हें मिल रहा है उसी को पसंद करना शुरू कर दो। ईश्वर हमें वह सब नहीं देता, जो हम चाहते हैं। जो ईश्वर ने दिया है,हम उसे पसंद करना शुरू कर दें। हम सदा खुश रहेंगे सुख और दुख दोनों का सम्मान करो। अगर आप अपने मन को इस दिशा में मोड़ने या बदलने में सफल हो जाते हैं तो प्रसन्नता अपने आप आएगी।प्रसन्नता उधार या किराए से नहीं मिलती। लोग हमारे पास आते हैं और कहते हैं -कोई ऐसा मंत्र बताइए कि जिससे मन को प्रसन्नता और शांति मिले।' मैं कहता हूं- -दुनिया में कोई भी ऐसा मंत्र नहीं है जिसको जपने से शांति पाई जा सके। शांति पाने का एक ही मार्ग है कि आप अशांति के निमित्तों से बचने की कोशिश करें।

अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में एक दिवसीय अग्र भागवत कथा

भगवान अग्रसेन का चरित्र आज के समय में भी उपयोगी: आचार्य राजेश्वर

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रख्यात कथावाचक आचार्य राजेश्वर ने कहा कि भगवान अग्रसेन का चरित्र आज के समय में भी उपयोगी व मार्ग प्रशस्त करने वाला है, अग्रसेन जी ने धर्म के साथ पुरुषार्थ की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए कर्मयोगी बनने पर बल दिया, उनका मानना था कि सत्य, अहिंसा, दयालुता, परोपकार, सच्ची मित्रता इन गुणों को जो व्यक्ति अंगीकार करता है,उसे जीवन में किसी प्रकार की कमीं नहीं रहती। इसके साथ ही नगरों का निर्माण, सिचाई के लिए नहरों की व्यवस्था, रोजगार प्रबंध इन पर विशेष कार्य किया।

मड़ावरा में चमके शहर के युवा सितारे

युवा वर्ग ने दी पिच्छिका परिवर्तन में भव्य प्रस्तुति। अहिंसा धर्म के पाराशर में सहायक है पिच्छिका: अभयसागर जी महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। छ वर्ष पूर्व नगर में चातुर्मास करने वाले निर्यापक श्रमण मुनि श्री अभय सागर जी महाराज मुनिश्री प्रभात सागरजी महाराज मुनिश्री निरिहसागर जी महाराज ससंघ के भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह में अशोक नगर की युवा समाज सेवी संस्था श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग ने संगीत के साथ भव्य प्रस्तुति दी समारोह के प्रारंभ में जैन युवा वर्ग के संरक्षण विजय धुर्रा ने कहा कि मडवरा जैन समाज के आमांत्रण पर युवा वर्ग के सैकड़ों कार्यकर्ता परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री अभय सागर जी महाराज ससंघ के चरणों में अपनी भक्ति समर्पित करने आये है ये सिर्फ पिच्छिका परिवर्तन समारोह नहीं है ये हृदय परिवर्तन का महोत्सव है जहां श्रद्धालु भक्ति भाव से संयम के मार्ग को अंगिकार कर रहे हैं जिसे हम इस नगर की संस्कृतक विरासत से जोड़ कर रोचक वना कर आप के समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं ।

क्या कोई कब्ज दूर करने के लिए कम से कम पांच अचूक एवं सही घरेलू इलाज बता सकता है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

कब्ज सब रोगों का मूल कारण है। कब्ज से ही दुनिया भर की बीमारियां होती हैं। रात को देर से कुछ न खाएं तथा भोजन के बाद दो घंटे तक न सोयें। बिना छने आटे यानि चोकर सहित आटे का सेवन करें। **कब्ज को दूर करने के पांच अचूक एवं सही घरेलू उपाय इस प्रकार हैं:-**

1. भोजन के बाद एक काली छोटी हरड़ मुख में डालकर चूसते रहे। 1-2 घंटे में घुलकर समाप्त हो जाएगी। कुछ दिन ऐसा करने से कब्ज नहीं रहती और पेट के रोगों में भी लाभकारी है। पेट की सभी बीमारियों में यह अचूक है और यह सदैव हितकारी कही गई है। परम वायु नाशक औषधि है।
2. रोजाना 7-8 मुनक्को को रात्रि में ठण्डे पानी में भिगोकर सुबह उन्हें मसलकर, थोड़े दिन पीने से कब्ज मिट जाती है।
3. एक ग्लास सादे पानी में एक नींबू का रस और दो चम्मच छोटी मधुमक्खी का शहद मिलाकर कुछ दिन पीने से कब्ज मिट जाती है।
4. एक चम्मच आंवले का चूर्ण रात को पानी के साथ कुछ दिन लेने से कब्ज दूर हो जाती है या अभी आंवला ताजा आ रहा है सुबह 4 आंवले उबालकर गुठली निकालकर शहद मिलाकर खाली पेट लें। यह पेट को सही करके ताकत देता है।
5. कुछ दिन दूध के साथ2 चम्मच गुलकंद खाने से कब्ज दूर हो जाती है।

चित्रकार ओम प्रकाश बिजौलियाँ को कांकरोली द्वारकाधीश मंदिर के षष्ठ पीठाधीश्वर गोस्वामी ने किया सम्मानित

उदयपुर. शाबाश इंडिया। पुष्टि समिति की ओर से नाथद्वारा धाम में कांकरोली द्वारकाधीश मंदिर के षष्ठ पीठाधीश्वर गोस्वामी 108 श्री द्वारकेशलाल जी महाराज के 5 दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान लेकसिटी के मूर्धन्य चित्रकार ओम प्रकाश सोनी बिजौलिया को सम्मानित किया गया।

सूरज सोनी ने बताया कि नाथद्वारा स्थित अखिल भारतीय माहेश्वरी सदन में समस्त भारत से आए वैष्णव जनों के समागम और सांस्कृतिक कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में पुष्टिमार्गीय और वल्लभ संप्रदाय से संबंधित प्राचीन चित्रों और पिछवाई चित्रों के संरक्षण संग्रहण और क्षतिग्रस्त चित्रों के जीर्णोद्धार करने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ओम प्रकाश सोनी को उपरना और ठाकुरजी की चित्र प्रसादी भेंट कर सम्मानित किया। बता दें मेवाड़ में श्री गोवर्धन नाथ जी के आगमन, उत्सवादि सहित विशेष समय पर बने श्री नाथ जी के सर्वाधिक प्राचीन, दुर्लभ चित्रों और पट्ट चित्र, श्री गोवर्धन नाथ जी की प्राकट्य वार्ता के कतिपय चित्रों सहित अनेक उत्सवादि के चित्रों का विषद विवेचन परिचय और वल्लभ कुल के प्रति अनुराग के लिए ओम प्रकाश सोनी को कांकरोली द्वारकाधीश मंदिर में गोपाष्टमी के दुर्लभ चित्र का नवीन तकनीक से बनी प्रतिकृति भी भेंट की गई।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939

बाल दिवस पर शैक्षाणिक भ्रमण

जयपुर. शाबाश इंडिया। कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट की योजना संवारे बचपन के अंतर्गत शिक्षा के लिए गोद ली गई बालिकाओं को ज्ञान और मनोरंजन के लिए शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम सोमवार 14 नवंबर 2022 बाल-दिवस पर आयोजित किया गया जिसमें बालिकाओं को साइन्स पार्क व बॉयलाजिकल पार्क ले जाया गया, विज्ञान और वन्यजीवों के बारे में जानकारी दी गई। बालिकाओं को खुले वातावरण में व्यक्तिव विकास का एक अवसर मिला इस भ्रमण के मध्य में नाश्ता व भोजन की व्यवस्था की गई। इन बेटियों को जीवन में एक सुख का क्षण जुड़ा बेटियां बहुत प्रफुल्लित हुई।

तीन दिवसीय नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर सम्पन्न

13 नवम्बर को 145 चयनित रोगियों के लेंस प्रत्यारोपण के आपरेशन किये गये

14 नवंबर को प्रातः 9.30 बजे सम्मान व समापन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेठ जगन्नाथ कपूर चंद जैन मेमोरियल ट्रस्ट झिलाय, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर तथा श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सोशल एंड ब्लड एड सोसायटी जयपुर तथा दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच , लेंस प्रत्यारोपण एवं रक्तदान शिविर का सम्मान एवं समापन समरोह सोमवार 14 नवंबर 2022 प्रातः 9:30 श्री आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर में आयोजित किया गया।

समारोह मे वरिष्ठ आई ए एस अधिकारी भास्कर सावंत ने रोगियों से भेट कर अतिथियों के साथ उन्हें स्मृति स्वरुप कम्बल भेंट किये...

रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या ने बताया कि शिविर के विशेष सहयोगी संस्थाएं जैन सोश्यल ग्रुप महानगर जयपुर, श्री आदिनाथ फाउंडेशन, पटेल मार्ग, मानसरोवर जयपुर ,जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी जयपुर, श्री आदिनाथ महिला जागृति परिषद मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर थी। सन्मति ग्रुप अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने बताया कि नेत्र जांच एवं रक्तदान

12 नवम्बर को झिलाय, निवाई में हुए रक्तदान शिविर में 110 युनिट रक्त एकत्र व नेत्र जांच शिविर मे 1500 लोगों की जांच की गई

शिविर शनिवार 12 नवंबर 2022 प्रातः 9:00 से 1:00 तक राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, झिलाय, तहसील निवाई, टोंक में आयोजित किया गया। आयोजित

शिविर में लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित 145 रोगी शनिवार 12 नवंबर को 5:30 बजे दिगंबर जैन आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर लाये गये । 145 रोगियों के ऑपरेशन रविवार 13 नवंबर 2022 को नवीन तकनीक व आधुनिक मशीनों द्वारा डॉक्टर विरेंद्र लेजर फैको सर्जरी सेंटर, टोंक रोड, जयपुर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किया गया । 14 नवंबर को प्रातः 9.30 बजे सम्मान व समापन हुआ। सम्मान समारोह में दीप प्रज्वलन सुशील कुमार पहाड़िया अध्यक्ष आदिनाथ समिति, मुख्य अतिथि श्रीमति तारा देवी अजमेरा, विनय, विशाल अजमेरा, अध्यक्षता सुरेन्द्र कुमार पांड्या, गौरवमयी अतिथि राजीव जैन पी आर ओ जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन नॉर्दन रीजन, यश कमल अजमेरा, पूर्व अध्यक्ष दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन तथा विशिष्ट अतिथि महेंद्र कुमार रावका तथा विजय - माया जैन झांझरी थे । समारोह का संचालन मनोज जैन C A ने किया। समारोह मे वरिष्ठ आई ए एस अधिकारी भास्कर सावंत ने रोगियों से भेट कर अतिथियों के साथ उन्हें स्मृति स्वरुप कम्बल भेट किये। रीजन अध्यक्ष राजेश -सीमा बड़जात्या ने बताया कि अब तक 2013 से 2019 तक प्रतिवर्ष आयोजित किए गए । इन शिविरों मे 7000 रोगियों की नेत्र जांच एवं 1067 लेंस प्रत्यारोपण के आपरेशन करवाये जा कराए जा चुके हैं ।

एनआईसीसी ने लेकसिटी में खोला नुस्के का प्रथम स्टोर

फेस एंड और स्किन केयर के लिए भरोसेमंद ब्यूटी प्रॉडक्ट्स लॉन्च

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अधिकांश महिलाएं पार्टी और खास मौके पर अपने आप को आकर्षक दिखाने के लिए घर पर ही सजती संवरती हैं तो कई इसके लिए ब्यूटी पार्लर जाती हैं। जहां खूबसूरती को बढ़ाने वाले प्रॉडक्ट्स का उपयोग होता है। जिनमें बहुत सी सस्ती से महंगी देसी विदेशी ब्रांड भी बाजार के चलन में है। इसी क्रम में चेहरे और त्वचा को बिना कोई नुकसान पहुंचाए सुन्दर एवं आकर्षक बनाने के लिए लेकसिटी की विश्वसनीय एनआईसीसी ने पांच वर्ष पूर्व बनाए और पेटेंट किए 11 प्रॉडक्ट्स मंगलवार को मीरां नगर स्थित नवनिर्मित एनआईसीसी परिसर के प्रथम स्टोर पर जयपुर की प्राणिक हीलर एवं व्यवसायी पूजा तनेजा ने लॉन्च किए। इस खास मौके पर एनआईसीसी निदेशक और विभिन्न क्षेत्रों तथा समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाली डॉ. स्वीटी छाबड़ा ने बताया कि यह सब प्रॉडक्ट्स भरोसेमंद और ब्रांड वैल्यू एडेड है जिनको हमारे यहां ट्रेंड स्टाफ की देखरेख और गाइडेंस के हिसाब से नियमित उपयोग से फेस एंड स्किन केयर में बेहतर परिणाम मिलेंगे। उन्होंने बताया कि ब्यूटी क्षेत्र में अपना मुकाम बनाने का लक्ष्य लेकर चलने वाले युवक-युवतियों को भी यहां विभिन्न प्रकार के ब्यूटी कोर्स कराए जाएंगे। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आज लॉन्च किए गए प्रॉडक्ट्स उदयपुर स्थित फेक्ट्री में उनकी दोनों बेटियों डॉ. पूजा छाबड़ा व डॉ. दृष्टि छाबड़ा की देखरेख और प्रॉपर गाइडेंस में तैयार किए गए हैं। इस अवसर पर पूजा तनेजा ने विश्वास जताया कि जिस प्रकार नुस्के के प्रॉडक्ट्स ने पिछले 5 वर्षों में ऑनलाइन मार्केट के जरिए देश में एक अलग मुकाम हासिल किया है। ऐसे में अब लेकसिटी में स्टोर खुल जाने से इसके भरोसे वाले सभी उत्पाद हर महिला की पहुंच तक होंगे।

रिपोर्ट/ फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

दया दृष्टि फाउंडेशन द्वारा बाल दिवस पर बच्चों के साथ केक काटा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दया दृष्टि फाउंडेशन द्वारा 14 नवंबर बाल दिवस के उपलक्ष में सत्या बाल आश्रम तथा रेज एनजीओ के बच्चों के साथ केक काटकर उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों को उनकी जरूरत के मुताबिक राशन सामग्री, स्टेशनरी तथा अन्य उपयोगी सामान भी प्रदान किए गए। दया दृष्टि के डायरेक्टर पूनम खंगारोत, अलका चौधरी, शिखा शर्मा ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद व आभार प्रकट किया। फाउंडेशन की ओर से मेंटर पृथ्वीराज शर्मा, ओमलता शर्मा, अध्यक्ष प्रतिभा शर्मा, उपाध्यक्ष निशा बंसल, सदस्य खुशबू, स्नेहा, प्रतिभा, अर्चना, रीना, पूनम, ममता शर्मा, राजू ताम्हणकर , रवि सक्सेना, रीमा पॉल, डॉक्टर अनिल अग्रवाल आदि भी उपस्थित रहे। रेज के बच्चों ने एक बहुत ही बढ़िया स्किट नुक्कड़ नाटक, कालबेलिया डांस व सोलो सॉन्ग प्रस्तुत किये। बाल दिवस पर बच्चों के साथ गेम्स खेल कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने की एक छोटी सी कोशिश की गई ।

जंगल सफारी में ट्रेकिंग संग सीखे छायांकन के गुर भी

मोनालिसा कैमरा क्लब की फोटोग्राफी वर्कशॉप

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मोनालिसा कैमरा क्लब की ओर से आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप में क्लब की अधिकांश सदस्याओं ने जंगल सफारी में ट्रेकिंग करते नेचर और वाइल्ड लाइफ को कैमरे में कैद किया। नेचुरल व्यू पर हुई इस कार्यशाला में कमल स्टूडियो के राकेश सेन ने फोटोग्राफी के बेहतरीन एंगल्स एवं तकनीक की बारीकियां भी समझाई। क्लब अध्यक्षा अनीता भाणावत ने बताया कि इस अवसर पर ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी आयोजित रखी गई। जिसके विजेताओं को क्लब के अगले कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा। संयोजिका सीमा मेहता ने बताया कि इस अवसर पर तमन्ना सुहालका, योगिनी दक, वैशाली मोटवानी सहित अन्य कई सदस्याओं ने सहयोग दिया। वन विभाग की ओर से क्लब के सदस्यों को औषधीय पौधों की जानकारी देकर औषधीय पौधे वितरित किए।

रिपोर्ट / फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com